# ॥ बात समझ में आई अब हमारी ॥

बात समझ में आई अब हमारी । झुठी है सारी दुनियादारी ॥
और ना लो अब परीक्षा हमारी । आये शरण अब प्रभु हम तुम्हारी ॥

मैं मेरा का भरम अब टूटा । समय ने किया सब रिश्ता झुठा ॥
मोह माया में मती गई मारी । आये शरण अब प्रभु हम तुम्हारी ॥
बात समझ में आई ....

जिनके भरोसा करके समझा था अपना । टूटा भरम सारा मिथ्या था सपना ॥
मतलब की थी सब की यारी । आये शरण अब प्रभु हम तुम्हारी ॥
बात समझ में आई ....

चंचल मन ने बहुत नचाया । धन ही कमाने का लक्ष्य बनाया ॥
चैन गया उडी नींद बिचारी । आये शरण अब प्रभु हम तुम्हारी ॥
बात समझ में आई ....

अन्तिम आशा भरोसा तिहारा । थक गया हूँ चहूँ और से हारा ॥
ॐ ॐ ॐ हरि ॐ ॐ ॐ ।
दृष्टि दया की करो मंगलकारी ॥ आये शरण अब प्रभु हम तुम्हारी ॥

बात समझ में आई अब हमारी । झुठी है सारी दुनियादारी ॥
और ना लो अब परीक्षा हमारी । आये शरण अब प्रभु हम तुम्हारी ॥
ॐ ॐ ॐ हरि ॐ ॐ ॐ
ॐ ॐ ॐ गुरु ॐ ॐ ॐ

Send corrections to hariomgroup@gmail.com